

॥ श्रीभुवनेश्वर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् ॥

.. shrIbhuvaneshvaryaSh-  
TottarashatanAmastotram ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

---

# Document Information

---

Text title : bhuvaneshvaryaShTottaraashatanAmastotram  
File name : bhuvaneshvaryaShTottaraashatanAmastotram.itx  
Category : aShTottaraashatanAma  
Location : doc\_devii  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : Ravi Mukku ravi\_mukku at hotmail.com  
Proofread by : Ravi Mukku ravi\_mukku at hotmail.com  
Latest update : January 26, 2014  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

॥ श्रीभुवनेश्वर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् ॥

अथ श्रीभुवनेश्वर्यष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् ।

ईश्वर उवाच

महासम्मोहिनी देवी सुन्दरी भुवनेश्वरी ।  
एकाक्षरी एकमन्त्री एकाकी लोकनायिका ॥ १ ॥  
एकरूपा महारूपा स्थूलसूक्ष्मशरीरिणी ।  
बीजरूपा महाशक्तिः सङ्ग्रामे जयवर्धिनी ॥ २ ॥  
महारतिर्महाशक्तिर्योगिनी पापनाशिनी ।  
अष्टसिद्धिः कलारूपा वैष्णवी भद्रकालिका ॥ ३ ॥  
भक्तिप्रिया महादेवी हरिब्रह्मादिरूपिणी ।  
शिवरूपी विष्णुरूपी कालरूपी सुखासिनी ॥ ४ ॥  
पुराणी पुण्यरूपा च पार्वती पुण्यवर्धिनी ।  
रुद्राणी पार्वतीन्द्राणी शङ्करार्धशरीरिणी ॥ ५ ॥  
नारायणी महादेवी महिषी सर्वमङ्गला ।  
अकारादिक्षकारान्ता ह्यष्टात्रिंशत्कलाधरी ॥ ६ ॥  
सप्तमा त्रिगुणा नारी शरीरोत्पत्तिकारिणी ।  
आकल्पान्तकलाव्यापिसृष्टिसंहारकारिणी ॥ ७ ॥  
सर्वशक्तिर्महाशक्तिः शर्वाणी परमेश्वरी ।  
हल्लेखा भुवना देवी महाकविपरायणा ॥ ८ ॥  
इच्छाज्ञानक्रियारूपा अणिमादिगुणाष्टका ।  
नमः शिवायै शान्तायै शाङ्करि भुवनेश्वरि ॥ ९ ॥  
वेदवेदाङ्गरूपा च अतिसूक्ष्मा शरीरिणी ।  
कालज्ञानी शिवज्ञानी शैवधर्मपरायणा ॥ १० ॥  
कालान्तरी कालरूपी संज्ञाना प्राणधारिणी ।  
खड्गश्रेष्ठा च खड्गाङ्गी त्रिशूलवरधारिणी ॥ ११ ॥  
अरूपा बहुरूपा च नायिका लोकवश्यगा ।  
अभया लोकरक्षा च पिनाकी नागधारिणी ॥ १२ ॥  
वज्रशक्तिर्महाशक्तिः पाशतोमरधारिणी ।  
अष्टादशभुजा देवी हल्लेखा भुवना तथा ॥ १३ ॥

खङ्गधारी महारूपा सोमसूर्याग्निमध्यगा ।  
एवं शताष्टकं नाम स्तोत्रं रमणभाषितम् ॥ १४ ॥

सर्वपापप्रशमनं सर्वारिष्टनिवारणम् ।  
सर्वशत्रुक्षयकरं सदा विजयवर्धनम् ॥ १५ ॥

आयुष्करं पुष्टिकरं रक्षाकरं यशस्करम् ।  
अमरादिपदैश्वर्यममत्वांशकलापहम् ॥ १६ ॥

इति श्रीरुद्रयामले तन्त्रे भुवनेश्वर्यष्टोत्तरशतनाम समाप्तम् ।

Encoded and proofread by Ravi Mukku ravi\_mukku at hot-mail.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

.. shrIbhuvaneshvaryaShTottaraShatanAmastotram ..  
was typeset on July 25, 2016

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

